जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 52 प्रभात बीकानेर, शनिवार 13 सितम्बर, 2025 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रू.

राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति पद की शपथ ली

शपथ ग्रहण के बाद उन्होंने राज्यसभा के सभापति पद का कार्यभार भी ग्रहण किया, क्योंकि उपराष्ट्रपति राज्यसभा का पदेन सभापति भी होता है

नयी दिल्ली, 12 सितंबर। चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को देश के 15 वें उपराष्ट्रपति पद की शपथ ली।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में राधाकृष्णन को पद की शपथ दिलायी।

इससे पहले राधाकृष्णन के उप

- **राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में राधाकृष्णन को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।**
- **समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व राष्ट्रपति कोविंद, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, वेंकैया नायडू, हामिद अंसारी के साथ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला व कई केन्द्रीय मंत्रियों ने हिस्सा लिया।**

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन को 15 वें उपराष्ट्रपति पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी मौजूद थे।

राष्ट्रपति निर्वाचित होने से संबंधित निर्वाचन आयोग का प्रमाण पत्र पढ कर सुनाया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, पूर्व उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड, वेंकैया नायडू , हामिद अंसारी , लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, केन्द्रीय मंत्री जय प्रकाश नड्डा , नितिन गडकरी और कई अन्य केन्द्रीय मंत्री तथा अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

धनखड़ के स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा देने के बाद 9 सितम्बर को उप राष्ट्रपति का चुनाव कराया गया था। इस चुनाव में केंद्र में सत्तारूढ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदावार रहे राधाकृष्णन निर्वाचित घोषित किये गये थे। उन्होंने विपक्ष के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को 152 मतों के बड़े अंतर से हराया। सी पी राधाकृष्णन ने उप राष्ट्रपति के पद की शपथ लेने के बाद यहां राज्यसभा के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इस्तीफे के बाद पहली बार जगदीप धनखड़ पब्लिक में आये

नयी दिल्ली, 12 सितंबर। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अपने पद से इस्तीफा देने के बाद शुक्रवार को पहली बार किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में दिखायी दिए।

धनखड़ राष्ट्रपति भवन में सीपी राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति पद के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेने आए थे। वे इस कार्यक्रम में सपत्नीक पधारे और उनको अन्य गणमान्य अतिथियों के साथ अग्रिम पंक्ति में बैठाया गया। उनके साथ उपराष्ट्रपति

- **वे उपराष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए तथा पूर्व राष्ट्रपति वेंकैया नायडू व हामिद अंसारी के साथ बैठे।**

पद को सुशोभित कर चुके सर्ववैंकेया नायडू, हामिद अंसारी भी बैठे नजर आए।

धनखड़ के समारोह में पहुंचने पर गृहमंत्री अमित शाह से उनकी भेंट हुई और शाह ने उनका अभिवादन किया। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने भी धनखड़ से भेंट करके उनकी कुशल क्षेम पूछी।

जब राधाकृष्णन, शपथ ग्रहण के लिए पहुंचे तो धनखड़ ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया। दोनों नेताओं में कुछ क्षण के लिए आपस में बातचीत हुई ।

गौरतलब है कि धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों के आधार पर अपने पद से 22 जुलाई को त्यागपत्र दे दिया था। उसके बाद से करीब डेढ़ महीने से अधिक की अवधि में वे किसी भी कार्यक्रम में नहीं दिखे। इसे लेकर विपक्षी सांसदों ने प्रश्न भी उठाए थे।

पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की नेपाल की अंतरिम प्र.मंत्री बनीं

उनका नाम जनरेशन ज़ैड के प्रतिनिधि सुदीप गुरुंग ने प्रस्तावित किया था, राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल, व नेपाल के सेनाध्यक्ष जनरल अशोक राज सिगडल के आपसी सामंजस्य के बाद, फाइनल हुआ

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 सितम्बर। नेपाल की पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की ने अंतरिम प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। अब उनके कंधों पर यह भारी जिम्मेदारी है कि वे देश को फिर से पटरी पर लाएँ और जेनरेशन-ज़ेड की उस आकांक्षा को पूरा करें जिसमें नेपाल को भ्रष्टाचार और परिवारवाद से मुक्त समाज बनाने

- **सुशीला कार्की की छवि साफ व भ्रष्टाचार के मामले में किसी प्रकार के दबाव के आगे नहीं झुकने वाली दबंग महिला की है।**

का सपना है।

शपथ ग्रहण समारोह नेपाल के राष्ट्रपति भवन में हुआ। इसके साथ ही कई दिनों से चल रही अटकलों और पर्दे के पीछे हो रही बातचीत पर विराम लग गया और देश को पहली महिला प्रधानमंत्री मिलीं।

सुशीला कार्की

राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से इस निर्णय की विधिवत घोषणा की गई। यह सहमति राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल, नेपाल सेना प्रमुख जनरल अशोक राज सिग्देल और जेनरेशन-ज़ेड आंदोलन के प्रतिनिधियों के बीच बनी। इसी आंदोलन के दबाव में पिछले हफ़्ते पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली को इस्तीफ़ा देना पड़ा था। इन घटनाओं से पहले कई दिनों तक नेपाल में ज़बरदस्त प्रदर्शन हुए थे, जिन्हें भ्रष्टाचार और बेरोज़गारी से परेशान युवाओं ने आगे बढ़ाया। प्रदर्शनकारियों पर हुई पुलिस की कार्रवाई में कम से कम 51 लोग मारे गए और इसी वजह से ओली को पद छोड़ना पड़ा।

हिंसक जेनरेशन-ज़ेड आंदोलन ने नेपाल को अराजकता में धकेल दिया था। बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली के इस्तीफ़े के बाद, नेपाल सेना ने हालात को काबू में करने के लिए हस्तक्षेप किया। इस दौरान, काठमांडू समेत कई जगहों पर हिंसा, आगजनी और लूटपाट हुई। गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने संसद भवन, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और कई मंत्रियों के आवास तक में आग लगा दी।

ओली के जाने के बाद सबकी नज़रें इस बात पर थीं कि अंतरिम सरकार का नेतृत्व कौन करेगा। इस बीच जेनरेशन-ज़ेड, जिसका नेतृत्व एक एनजीओ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ढाई साल के हिंसक दौर के बाद आज मणिपुर पहुंचेंगे प्र.मंत्री मोदी

कई दिनों की अटकलों के बाद मोदी का मणिपुर दौरा फाइनल हुआ

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 12 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को मणिपुर जाएंगे। मई 2023 में राज्य में जातीय हिंसा भड़कने के बाद यह उनकी पहली मणिपुर यात्रा होगी। राज्य के मुख्य सचिव ने इस बात की पुष्टि की है।

बीते कुछ दिनों से पीएम के दौरे की अटकलें लगाई जा रही थीं, लेकिन अब तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई थी। शुक्रवार को पत्रकारों को संबोधित करते हुए मणिपुर के मुख्य सचिव पुनीत कुमार गोयल ने बताया कि पीएम मोदी

- **मणिपुर के मुख्य सचिव पुनीत कुमार गोयल ने पत्रकारों को बताया कि प्र.मंत्री 12.30 बजे आइज़ोल से मणिपुर पहुंचेंगे।**
- **प्र.मंत्री सबसे पहले चूराचांदपुर पहुंचेंगे जो कुकी बहुल क्षेत्र है, फिर वे इम्फाल जाएंगे जो मैती बहुल है। इस यात्रा कार्यक्रम में प्रधानमंत्री हिंसा के विस्थापितों से भी मिलेंगे। यात्रा कार्यक्रम को संतुलन बनाने की कवायद के रूप में देखा जा रहा है।**

शनिवार को मिज़ोरम की राजधानी आइजल से चुराचांदपुर ज़िले पहुंचेंगे, जहां वे दोपहर लगभग 12:30 बजे हिंसा के कारण विस्थापित लोगों से बातचीत करेंगे। इसके अलावा वे राज्य भर में प्रस्तावित 7,300 करोड़ की परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

परमिता त्रिपाठी कुवैत में राजदूत बनीं

नयी दिल्ली, 12 सितम्बर। भारतीय विदेश सेवा की अधिकारी परमिता त्रिपाठी को कुवैत में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। विदेश सेवा के 2001 बैच की अधिकारी त्रिपाठी अभी मंत्रालय में संयुक्त सचिव हैं। विदेश

- **वे 2001 बैंच की भारतीय विदेश सेवा की अधिकारी हैं।**

मंत्रालय के अनुसार, उनके शीघ्र ही कार्यभार ग्रहण करने की संभावना है। उन्हें डॉ. आदर्श स्वाइका की जगह कुवैत का राजदूत बनाया गया है। अपने दो दशक से भी लंबे कैरियर में त्रिपाठी विदेश मंत्रालय में पाकिस्तान और संयुक्त राष्ट्र डेस्क पर भी काम कर चुकी हैं। उन्होंने ब्रुसेल्स और टोक्यो में भी काम किया है। वे वर्ष 2017 में न्यूयार्क में भारत की उप महावाणिज्य दूत और वर्ष 2013 में सिंगापुर स्थित भारतीय उच्चायोग में उप उच्चायुक्त रह चुकी हैं।

प्र.मंत्री की मां के एआई विडियो पर भाजपा में भारी गुस्सा

भाजपा जोर शोर से इस मसले को उठा रही है और ऐसा लगता है यह विवाद थमने वाला नहीं है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मां पर बनाए गए एआई वीडियो को लेकर शुक्रवार को विवाद बढ़ गया, लेकिन कांग्रेस पीछे हटने के बजाय और मुखर हो गई। पार्टी ने कहा कि किसी का अपमान नहीं हुआ है और वीडियो सिर्फ एक माता-पिता द्वारा अपने बच्चे को समझाने की कहानी है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा, ''माता-पिता का कर्तव्य होता है कि वे अपने बच्चों को सही दिशा दिखाएं। वे (पीएम मोदी की दिवंगत मां हीराबेन मोदी) अपने बच्चे को सिर्फ समझा रही हैं। अगर बच्चा इसे अपना अपमान मानता है, तो यह उसकी समस्या है।''

खेड़ा की यह टिप्पणी उस समय आई, जब भाजपा ने आरोप लगाया कि

- **भाजपा के भारी हमले के बाद कांग्रेस और मुखर हो गई विडियो में एक मां द्वारा बच्चे को सिखाने के बारे में इसमें किसी का अपमान नहीं है। भाजपा सहानुभूति बटोरने के लिए यह मुद्दा उठा रही है।**
- **भाजपा प्रवक्ता शाहनवाज़ ने कहा, कांग्रेस बार-बार प्रधानमंत्री की मां हीराबेन का अपमान कर रही है।**

बिहार कांग्रेस द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया गया वीडियो, जिसमें प्र.मंत्री की मां हीराबेन मोदी की एआई से बनाई गई छवि प्रधानमंत्री मोदी को वोट के लिए उनका इस्तेमाल करने पर फटकार लगाती है, यह न केवल महिलाओं का अपमान है, बल्कि कांग्रेस की राजनीति लगातार नए स्तरों तक गिर रही है।

भाजपा प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा कि पिछले महीने विपक्ष की एक रैली के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और उनकी मां के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया था।

उन्होंने कहा, ''कांग्रेस लगातार गिरती जा रही है। पहले कांग्रेस के मंच से प्रधानमंत्री मोदी की मां के खिलाफ गाली दी गई। अब उनकी एआई छवि बनाकर उनका अपमान किया जा रहा है। बिहार और देश यह अपमान बर्दाश्त नहीं करेगा। जो महिला अब इस दुनिया में नहीं है, उसकी छवि बनाकर, उसके मुंह में शब्द डालना दुर्भाग्यपूर्ण है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पायलट ने भूमि मुआवजा कानून की पालना की मांग की

उज्जैन, 12 सितम्बर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव सचिन पायलट ने आज शुक्रवार को उज्जैन कृषि उपज मंडी में आयोजित किसान सम्मेलन में किसानों की

- **कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने उज्जैन में किसान सम्मेलन को संबोधित किया।**

समस्याओं को उठाते हुए भूमि मुआवज़ा कानून के पालन की मांग की। उन्होंने कहा कि देशभर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की आवाज़ को दबाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस न डरेगी और न झुकेगी, बल्कि भाजपा की दमनकारी नीतियों के खिलाफ मजबूती से लड़ेगी।

सम्मेलन में शामिल पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह ने कहा कि भाजपा की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जगदीप छोकर, जिन्होंने चुनाव प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता व जवाबदेही के लिये जीवन भर संघर्ष किया, अब नहीं रहे

वे इण्डियन इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट अहमदाबाद में प्रोफेसर थे, वहां कार्यरत रहते हुए ही एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स का गठन किया था

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 सितम्बर। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के सह-संस्थापक और भारत में चुनावी पारदर्शिता और जवाबदेही के एक मजबूत पैरोकार, जगदीप एस. छोक्कर का शुक्रवार, 12 सितंबर को दिल्ली में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वे 80 वर्ष के थे। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) अहमदाबाद में प्रोफेसर रहे छोक्कर ने अकादमिक जीवन की सुविधाओं को त्याग कर भारत के लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया था।

- **न्यायालय में लगातार याचिकाएं व मुकदमे दायर कर, अंततोगत्वा सुप्रीम कोर्ट से उन्होंने यह आदेश प्राप्त कर लिया, कि हर उम्मीदवार को अपने ''क्रिमिनल बैकग्राउण्ड,'' वित्तीय स्थिति व शैक्षणिक योग्यता का खुलासा करना अनिवार्य होगा।**
- **इस एक ''रिफॉर्म'' ने आम नागरिक, मीडिया व अन्य प्रजातंत्र के प्रहरियों को सक्षम बना दिया, राजनीतिज्ञों पर निगाह रखने के लिये।**
- **छोकर, अपनी मजबूत शैक्षणिक पृष्ठभूमि के बावजूद बहुत विनम्र थे, तथा छोटे से छोटे पत्रकार को बड़े धैर्य से ''इलैक्टोरल रिफॉर्म्स'' की बारीकी समझाते थे, तथा हिम्मत व हौसला बढ़ाते थे, स्वतंत्र व निष्पक्ष पत्रकारिता करने के लिये।**

उनकी इच्छा के अनुसार, उनका शरीर एक अस्पताल को दान कर दिया गया, इसलिए उनका अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा।

पत्रकारों के लिए, एडीआर भारतीय राजनीति की छिपी दुनिया में प्रवेश का माध्यम था। उम्मीदवारों की संपत्ति और आपराधिक रिकॉर्ड पर इसकी रिपोर्टें अक्सर उन चौंकाने वाली कहानियों की शुरुआत बनती थीं, जो निर्वाचित प्रतिनिधियों की संपत्ति, सत्ता और संदिग्ध आचरण को उजागर करती थीं।

लगातार कानूनी लड़ाई और जनसंपर्क अभियानों के माध्यम से, एडीआर ने सुप्रीम कोर्ट से यह अनिवार्य करवाया कि उम्मीदवारों को अपने आपराधिक, वित्तीय और शैक्षणिक विवरण सार्वजनिक करने होंगे। यह इकलौता सुधार नागरिकों, मीडिया और निगरानी संगठनों को राजनेताओं की जवाबदेही तय करने के अभूतपूर्व साधन प्रदान करता है।

उन्होंने आईआईएम में पढ़ाते समय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाबालिग लड़की से परिचित आरोपी द्वारा दुष्कर्म

जयपुर, 12 सितम्बर। करधनी थाना इलाके में 15 वर्षीय लड़की से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया

- **नाबालिग के पिता ने थाने में मामला दर्ज कराया।**

है। विरोध करने पर आरोपित परिचित ने डरा-धमकाकर नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म किया। प्रेग्नेंट होने पर नाबालिग के साथ दरिंदगी का पता चला। नाबालिग पीड़िता के पिता की ओर से थाने में मामला दर्ज करवाया गया है।

पुलिस ने बताया कि करधनी के रहने वाले व्यक्ति ने मामला दर्ज करवाया है कि उसकी 15 वर्षीय बेटी से परिचित युवक ने दुष्कर्म किया है। आरोप है कि परिचित होने के कारण आरोपित को नाबालिग बेटी जानती है। परिजनों की गैरमौजूदगी में आरोपित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)